अय्यर ने भी की है अच्छी बल्लेबाजी

यहां आपको बताते चलें कि नंबर चार पर टीम इंडिया को एक अच्छे बल्लेबाज की तलाश काफी लंबे समय तक रही। यहां पर अंबाती रायुडू, ऋषभ पंत व कई अन्य बल्लेबाजों को आजमाया गया। हालांकि पिछले कुछ अर्से से मुंबई के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की जगह इस स्थान पर पक्की होती जा रही है। अय्यर ने अभी तक मिले मौकों का अच्छा इस्तेमाल किया है। चोपड़ा ने कहा कि रहाणे को वनडे टीम से निकालना सही फैसला नहीं था।

रहाणे को टीम से दूध में से मक्खी की तरह निकाला गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आकाश चोपड़ा भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने हाल ही में अजिंक्य रहाणे को वनडे टीम से बाहर किए जाने पर सवाल किए थे। चोपड़ा ने कहा था कि नंबर चार की पोजीशन पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद रहाणे को एकदिवसीय टीम में नहीं रखा गया। चोपड़ा ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में रहाणे नंबर चार के लिए बिलकुल सही बल्लेबाज हैं क्योंकि परंपरागत ढंग से बल्लेबाजी करते हैं जो भारतीय टीम के वनडे अप्रोच के हिसाब से सही है।

आकाश चोपड़ा ने रहाणे के बारे में ये बातें अपने यूट्यूब चौनल पर लोगों के सवालों का जवाब देते हुई कही। चोपड़ा से जब पूछा गया कि आखिर रहाणे भारतीय वनडे टीम में नंबर चार की पोजीशन पर अपनी जगह पक्की क्यों नहीं कर पाए तो उन्होंने कहा कि वह भी इस बात को लेकर हैरान हैं चूंकि वह नंबर चार पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। चोपड़ा ने कहा, नंबर चार पर रहाणे के आंकड़े अच्छे हैं।

सिर्फ चैपल नहीं, मुझे हटाने में सभी शामिलः गांगुली

क्रिकेट

भारतीय कप्तान को बिना पूरे सिस्टम के समर्थन के हटाना संभव नही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने अपने करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में बात की है। गांगुली ने कहा है कि उनके करियर का सबसे कठिन दौर वह था जब उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी से हटाया गया था और उसके बाद 2005 में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। गांगुली ने इसे अपने साथ हुआ अन्याय बताया।

जीत के बाद मुझे कप्तानी से हटाया गयाः गांगुली ने कहा, यह मेरे करियर का सबसे बुरा दौर था। यह पूरी तरह से अन्याय था। मैं जानता हूं कि हर बार आपके साथ न्याय नहीं हो सकता लेकिन जिस तरह का व्यवहार मेरे साथ हुआ वह टाला जा सकता था। मैं उस टीम का कप्तान था जिसने जिम्बाब्वे में जीत हासिल की और घर वापस आकर मुझे हटा दिया गया?

अचानक टीम से हटाया गयाः गांगुली ने कहा, मैंने 2007 का वर्ल्ड कप जीतने का सपना भारत के लिए देखा था। हम पिछली बार फाइनल में हारे थे। सपने देखने के मेरे कुछ कारण भी थे। मेरी कप्तानी में टीम बीते पांच साल में बहुत अच्छा खेली थी। फिर चाहे वह घरेलू मैदान पर हो या फिर बाहर। और फिर आप अचानक मुझे टीम से हटा देते हैं? सबसे पहले, आप मुझे कहते हैं कि आप वनडे टीम में नहीं हैं, इसके बाद आप मुझे टेस्ट से भी हटा देते हैं।

शुरुआत तो ग्रेग चैपल ने कीः भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि इस बात में कोई शक नहीं कि इस सबकी शुरुआत मुख्य कोच ग्रेग चैपल द्वारा बीसीसीआई को उनके खिलाफ भेजे गए ईमेल से शुरू हुआ। वह ईमेल जो बाद लीक हो गया था।

अकेले चैपल जिम्मेदार नहीं: बुधवार को अपना 48वां जन्मदिन मनाने वाले गांगुली ने हालांकि सिर्फ चौपल को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहराने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय कप्तान को बिना पूरे सिस्टम के समर्थन के हटाना संभव नहीं है।

बाकी लोग मासूम नहीं: गांगुली ने कहा, बाकी लोग भी मासूम नहीं हैं। एक विदेशी कोच जिसका सिलेक्शन में कोई किरदार नहीं होता वह भारतीय कप्तान को उसके पद से नहीं हटा सकता। मैं मानता हूं कि बिना पूरे सिस्टम की मदद के ऐसा नहीं किया जा सकता। मुझे हटाने में हर किसी की भूमिका थी। लेकिन मैं दबाव में टूटता नहीं हूं। मैंने खुद में विश्वास बनाए रखा। गांगुली को 2005 में भारतीय टीम से ड्रॉप किया गया था लेकिन अगले साल उन्होंने साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम में वापसी की।

नस्लवाद पर बोलते हुए भावुक हुए माइकल होल्डिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने गुरुवार को रंगभेद पर खुलकर बात की। इस मुद्दे पर बात करते हुए वह स्वयं पर काबू नहीं रख पाए और उनके आंसू बह निकले। होल्डिंग ने ब्रिटिश प्रसारणकर्ता स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में रंगभेद पर खुलकर अपनी राय रखी।

महान तेज गेंदबाज ने बुधवार को भी कहा था कि समाज को इस मुद्दे को लेकर अधिक सजग होने की जरूरत है। उन्होंने कहा था कि नस्लवादी रवैये को लेकर समाज को अपना रवैया बदलना चाहिए। माइकल ने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे

टेस्ट मैच के दौरान चर्चा के दौरान ये बातें कहीं। गुरुवार को इसी विषय पर बात करते हुए होल्डिंग अपने माता–पिता को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, श्सच बताऊं तो भावुक क्षण यह होता है जब मैं अपने माता–पिता के बारे में सोचता हूं। और यह अब फिर हो रहा है।

अपने आंसुओं को रोकने के लिए 66 वर्षीय होल्डिंग ने थोड़ा वक्त

रोक नहीं पाए आंसू, कहा अधिक सजग होने की जरूरत

लिया और कहा, मार्क, मैं जानता हूं कि मेरे माता–पिता को मुश्किल वक्त से गुजरना पड़ा। मेरी मां के परिवार ने उनसे बात करनी सिर्फ इसलिए बंद कर दी थी क्योंकि उनके पति (मेरे पिता) बहुत ज्यादा डार्क थे। मैं जानता हूं उन्होंने किस तरह की मुश्किलों का सामना किया और मुझे यह सब अचानक याद आया।

होल्डिंग ने कहा कि बदलाव आएगा लेकिन यह सब धीरे–धीरे होगा। इसमें थोड़ा वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि छोटे–छोटे कदम लिए जा रहे हैं लेकिन मुझे उम्मीद है कि कदम सही दिशा में उठाए जा रहे हैं।

एशिया कप टलने पर लगी मुहर अगले साल जून में होने की संभावना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने कहा कि वह एशिया को अगले साल जून में करवाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए विंडो तलाशी जा रही है। टूर्नामेंट जो पहले इस साल सितंबर में होना था। इसकी मेजबानी पाकिस्तान के पास थी और इसे न्यूट्रल देश में करवाया जाना था। फिलहाल इसे कोरोना वायरस महामारी के चलते टाल दिया गया है।

एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एक बयान जारी कर कहा है, यात्रा को लेकर लगी पाबंदियां, देश में क्वॉरनटीन को लेकर लगे नियम, स्वास्थ्य संबंधी खतरा और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर बने जरूरी नियमों के चलते एशिया कप करवा पाना एक बड़ी चुनौती था। इस बयान में आगे कहा गया, इस सबके ऊपर इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और कमर्शल पार्टनर, फैंस और क्रिकेटिंग जगत की स्वास्थ्य सुरक्षा एक बड़ी अहम वजह रही। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने आगे कहा कि एक सुरक्षात्मक तरीके से टूर्नामेंट का आयोजन करवाना एसीसी की पहली प्राथमिकता है। और बोर्ड को उम्मीद है कि अगले साल यानी 2021 में यह टूर्नामेंट खेला जाएगा।

न्यूज डायरी

भारत ने विश्व कप 2019 में खुद को नुकसान पहुंचाया थाः टॉम मूडी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और अब सफल कोच टॉम मूडी का मानना है कि भारत ने इंग्लैंड में खेले गए विश्व कप 2019 में टीम के अंदर अनिश्चितता पैदा करके खुद को नुकसान पहुंचाया था। पिछले सत्र तक इंडियन प्रीमियर लीग की टीम सनराइजर्स हैदराबाद के कोच रहे मूडी ने कहा कि भारत खिताब का प्रबल दावेदार था लेकिन टीम प्रबंधन प्रतिभा का सही उपयोग करने में नाकाम रहा। मूडी ने क्रिकबज.कॉम से कहा, 'भारत को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उनमें से एक अपने खिलाड़ियों से बहुत अधिक उम्मीद करना है। मुझे नहीं पता कि वे इसे पसंद करते हैं या नहीं। इसमें कोई संदेह नहीं कि क्रिकेट खेलने वाले किसी भी देश की तुलना में भारत के पास अधिक प्रतिभा है लेकिन कभी यह बोझ बन सकती है।' उन्होंने कहा, 'जब आपको कई खिलाड़ियों में से चयन करना पड़ता है तो आप इस पर मनन कर सकते हैं कि आप अपनी सोच और समझ से किस तरह की योजना बनाना चाहते हैं।

हैपी बर्थडे सुनील गावसकरः टेस्ट में 10 हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सुनील मनोहर गावसकर का आज जन्मदिन है। दुनिया के सर्वकालिक महान सलामी बल्लेबाजों में शुमार गावसकर का जन्म 10 दिसबंर 1949 को मुंबई यानी तब के बॉम्बे में हुआ। गावसकर ने दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया। डटकर किया और मजबूत तकनीक के दम पर बेखौफ होकर किया। उनकी एकाग्रता और तकनीक का कोई सानी नहीं था। यह साल 1970–71 था जब गावसकर ने वेस्टइंडीज में अपने करियर की शुरुआत की। चार टेस्ट मैचों में उन्होंने चार सेंचुरी लगाईं। 774 रन बनाए और औसत रहा 154 का। यहीं से गावसकर का वेस्टइंडीज के साथ रोमांस शुरू हुआ। वेस्टइंडीज में उन्होंने 13 टेस्ट मैच खेले। सात शतक लगाए और औसत रहा 70। इसके उलट इंग्लैंड के खिलाफ यह औसत 38 का रहा। किसी भी देश के खिलाफ यह उनका सबसे कम बल्लेबाजी औसत है। गावसकर ने भारत के लिए 34 टेस्ट शतक लगाए। जिसमें से 22 मैच ड्रॉ रहे।

वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत, पहली पारी में इंग्लैंड का फ्लॉप शो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड व वेस्टइंडीज के बीच एजेस बाउल स्टेडियम में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला जारी है। आज यानी शुक्रवार को मैच के तीसरे दिन का खेल होना है। मेजबान टीम इंग्लैंड ने जो सोचा था वो नहीं हुआ और टॉस जीतने के बाद पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए टीम की हालत बुरी हो गई। जो रूट के नहीं रहने का असर साफ तौर पर टीम पर दिखा और कैरेबियाई गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए। बारिश से बाधित मैच में वेस्टइंडीज की घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की पूरी टीम मैच के दूसरे दिन पहली पारी में 204 रन पर ऑलआउट हो गई। कैरेबियाई कप्तान जेसन होल्डर ने 6 विकेट झटके जबकि शेनन गैब्रियाल ने 4 विकेट लिए। इंग्लैंड की तरफ से सबसे बड़ी पारी कप्तान बेन स्टोक्स ने खेली और 43 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल खराब रोशनी की वजह से रोकना पड़ा।

2014 के एशिया कप में पाकिस्तान ने भारत को कैसे हराया था, अफरीदी ने किया खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एशियन क्रिकेट काउंसिल यानी एसीसी ने एशिया कप 2020 को कोरोना वायरस के कारण 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया है। एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है, क्योंकि भारत ने सात बार एशिया कप जीता है, जबकि दूसरे नंबर पर 5 खिताबों के साथ श्रीलंकाई टीम है। यहां तक कि भारत ने आखिरी दो एशिया कप भी जीते हैं। इसी बीच पाकिस्तान के ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एशिया कप 2014 को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। अपनी चिर–प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान के सामने भारतीय टीम 2014 के लीग मैच में आखिरी के ओवर में हार गई थी, जिसमें शाहिद अफरीदी ने लगातार दो छक्के लगाए थे।